



मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा  
ज़िला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (DATCC)  
ज़िला बुरहानपुर के संयुक्त तत्वावधान में  
संत रहीम जयन्ती के अवसर पर



# संत संध्या

## अखिल भारतीय मुशायरा



श्री शिवराज सिंह चौहान  
मुख्यमंत्री, म.प्र. शासन



सुश्री ऊषा ठाकुर  
मंत्री, संस्कृति, पर्यटन  
व्यवसाय एवं धर्मस्थ, म.प्र. शासन

18 दिसम्बर, 2022 को शाम 6:30 बजे

परमानंद गोविंद जी वाला ऑडिटोरियम  
इंदिरा कालोनी, बुरहानपुर में आयोजित हैं।

### आमंत्रित शोअरा

मजाज़ आशाना (बुरहानपुर), ताहिर फराज़ (रामपुर), शकील आजमी, राजेश रेड्डी (मुम्बई),  
फारूक जायसी (कानपुर), नईम राशिद (बुरहानपुर) जलील निज़ामी (हैदराबाद),  
मोईन शादाब (दिल्ली), डॉ. जलीलुर्रहमान (बुरहानपुर), डॉ प्रज्ञा शर्मा (मुम्बई), अतुल अजनबी (ग्वालियर),  
अल्तमश अब्बास (रुड़की), चराग़ शर्मा (चंदौसी), शऊर आशाना, कमरुद्दीन फ़लक (बुरहानपुर)

आप सादर साग्रह आमंत्रित हैं।

भव्या मित्तल  
कलेक्टर  
ज़िला बुरहानपुर

डॉ. नुसरत मेहदी  
निदेशक  
मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी

रहिमन धागा प्रेम का मत तोड़े चटकाय, जोड़े से फिर ना जुड़े जुड़े गांठ पड़ जाय जैसे दोहे से संत संध्या की शुरुआत

## श्रोताओं को मंत्र मुग्ध किया, देर रात तक चला सन्त संध्या आयोजन



### बुरहानपुर ■ धुव वाणी।

रविवार को परमानंद गोविंदजीवाला ऑडिटोरियम में संत संध्या का आयोजन किया गया जिसमें देश के नामी गिरामी शायरों ने अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम रहीम जी की जयंती के अवसर पर रखा गया था। कार्यक्रम का शुभरम्भ दीपक चौहान Datoc ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर, सद्ग शैलेन्द्र

सिंह सोलंकी, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक दुवे, सूबेदार हेमंत पाटीदार भी मौजूद रहे। उर्दू अकादमी के निर्देशक नुसरत मेहंदी भी रहे। संत संध्या कार्यक्रम रहीमजी की जयन्ति को लेकर अखिल भारतीय मुशायरे का आयोजन Datoc और उर्दू अकादमी के सहयोग से किया गया जहाँ देश भर से आये शायरों ने शमा बांधे रखा और श्रोताओं को भरपूर आनन्द आया। शाम को मा सरस्वती के

चित्र पर माल्यापर्ण, एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभरम्भ किया गया। यहां पधारे देश के नामी शायर ताहिर फराज रामपुर, शकील आजमी राजेश रेड्डी मुम्बई से, फारूक जायसी कानपुर, नईम राशिद बुरहानपुर, जलील निजामी हैदराबाद, मोइन शदब दिल्ली, सद्ग जलीलुर्रहमान, बुरहानपुर से, सद्ग प्रज्ञा शर्मा मुंबई, अतुल अजनबी ग्वालियर, अलतमश अब्बास रुड़की, चराग शर्मा, चंदौसी, शउर

आसना, कमरुद्दीन फलक, मजाज आशना बुरहानपुर से शायर रहे जिन्होंने अपनी लेखनी पढ़ी और रहीम जी को याद किया। Datoc सदस्य होशंग हवलदार, नोसाद जी, याकूब बोरिंगवाला, मुकेश दरबार, राजकुमारी ठाकुर, आयुषी, पर्यटन प्रबंधक रविन्द्र पांडेय, उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन हितेश शाह जी ने किया। आभार कमरुद्दीन फलक जी ने माना।

# संत संध्या (सूफीनाम) कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बुरहानपुर। विश्व-विख्यात कवि संत रहीमदास जी के जन्म दिवस पर दिनांक 18 दिसम्बर, को शाम में इंदिरा कॉलोनी स्थित परमानंद गोविंदजी वाला ऑडिटोरियम में संत संध्या (सूफीनाम) कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, डीएटीसीसी बुरहानपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। उर्दू एकेडमी के निदेशक डॉ.नुसरत मेहंदी की उपस्थिति में देश के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे हुए महानुभवों ने अपनी-अपनी शायरियों से समा को बांधे रखा

## कार्यक्रम में शायरों ने शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन-मोह लिया



तथा दर्शकों को आनंदित किया। अखिल भारतीय मुशायरा, सूफीनाम कार्यक्रम में अतुल अजनबी ग्वालियर, अलतमश अब्बाश रूड़की, चराग शर्मा

चंदौसी, शरूर आशाना व कमरूद्दीन फलक बुरहानपुर द्वारा शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों को आकर्षित किया। वहीं नई बुरहानपुर, ताहिर

फराज रामपुर, शकील आजमी मुम्बई, राजेश रेड्डी मुम्बई, श्री फारूक जायसी कानपुर, श्री जलील निजामी हैदराबाद, मोईन शादाब दिल्ली, डॉ.जलीलुर्रहमान बुरहानपुर, डॉ. प्रज्ञा शर्मा मुम्बई एवं मजाज आशाना बुरहानपुर ने भी कार्यक्रम में अपनी-अपनी प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन-मोह लिया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक दुबे, अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व दीपक चौहान, डीएटीसीसी के सदस्यगण एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकगणों ने कार्यक्रम का आनंद लिया।

## संत रहीमदास के जन्म दिवस पर कवियों ने बांधा समा

बुरहानपुर। विश्व विख्यात कवि संत रहीमदास के जन्म दिवस पर संत संध्या सूफीनाम कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में उर्दू एकेडमी के निदेशक डॉ.नुसरत मेहंदी की



उपस्थिति में देश के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे हुए अतिथियों ने अपनी-अपनी शायरियों से समा को बांधे रखा तथा दर्शकों को आनंदित किया। अखिल भारतीय मुशायरा, सूफीनाम कार्यक्रम में अतुल अजनबी ग्वालियर, अल्तमश अब्बाश रूफकी, चराग शर्मा चंदौसी, शरूर आशना व कमरुद्दीन फलक बुरहानपुर द्वारा शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित किया। इस दौरान नईम राशिद, ताहिर फराज रामपुर, शकील आजमी मुम्बई, राजेश रेड्डी मुम्बई, फारुक जायसी कानपुर, जलील निजामी हैदराबाद, मोईन शादाब दिल्ली, डॉ.जलीलुर्रहमान बुरहानपुर, डॉ. प्रज्ञा शर्मा मुम्बई एवं मजाज आशना ने भी कार्यक्रम में अपनी-अपनी प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन-मोह लिया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक दुबे, अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व दीपक चौहान, डीएटीसीसी के सदस्यगण उपस्थित रहे।

07:09



Share



font-inc



Image View



Text

## संत सूफी संध्या...

# ... मैं जानता था बहुत कुछ उस हवा के बारे में

पत्रिका न्यूज नेटवर्क  
patrika.com

बुरहानपुर. इसी खता पे बुझाए गए चिराग मेरे, मैं जानता था बहुत कुछ उस हवा के बारे में। जिस पर काफी दाद बटोरी गई। यह शायरी मुंबई से आए शकील आजमी ने पढ़ी। अवसर था गोविंदजीवाला ऑडिटोरियम में संत सूफी संध्या के आयोजन का। जहां देशभर से आए शायरों ने अपनी शायरी से समां बांध दिया। कवि संत रहमीदास की जयंती पर रविवार देर शाम यह आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, डीएटीसीसी बुरहानपुर के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। देशभर के शायरों ने अपने कलाम प्रस्तुत किए। इस दौरान मप्र उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेंहदी, अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह सोलंकी, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक दुबे, डीएटीसी सदस्य.मोहम्मद नौशाद,



कार्यक्रम में शायरों ने पेश किए कलाम।

याकूब बोरिंगवाला, मुकेश दरबार, होशंग हवलदार सहित अन्य मौजूद रहे।

इन शायरों ने अपने कलाम पेश किए : मजाज आशना बुरहानपुर, ताहिर फराज रामपुर, शकील आजमी, राजेश रेड्डी मुंबई, फारूक जायसी कानपुर, नईम राशिद

बुरहानपुर, जलील निजाम हैदराबाद, मोईन शादाब दिल्ली, डॉ. जलीलुर्रहमान बुरहानपुर, डॉ. प्रज्ञा शर्मा मुंबई, अतुल अजनब ग्वालियर, अल्लमश अब्बास, चरा शर्मा चंदौसी, शउर आशना कमरुद्दीन फलक बुरहानपुर : अपने कलाम पेश किए।



# संत संध्या सूफीनाम : देशभर के शायरों ने पेश किए कलाम

**कवि संत रहीमदास के जीवन साहित्य को लेकर हुआ आयोजन**

**स्वदेश समाचार ■ बुरहानपुर**

विश्व विख्यात कवि संत रहीमदास के जन्मदिवस पर रविवार रात स्थानीय इंदिरा कॉलोनी स्थित परमानंद गोविंदजीवाला ऑडिटोरियम में संत संध्या सूफीनाम कार्यक्रम आयोजित किया गया। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, डीएटीसीसी बुरहानपुर के संयुक्त तत्वावधान में कवि संत रहीमदास के जीवन और साहित्य के संबंध में आयोजित इस कार्यक्रम में काफी संख्या में लोग मौजूद रहे। वहीं देशभर के विभिन्न शहरों से आए शायरों ने अपने कलाम प्रस्तुत किए।

एक शायर शकील आजमी मुंबई ने अशआर पढ़ा। यह अशआर उसी दिलरूबा के बारे में, इसी खता पे बुझाए गए चिराग मेरे, मैं जानता था बहुत कुछ

उस हवा के बारे में। जिस पर काफी दाद बटोरी गई। इसी तरह अन्य शायरों ने भी अपने अपने अशआर पेश किए। इस दौरान मप्र उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ नुसरत मेंहदी, अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह सोलंकी, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक दुबे, बुरहानपुर एसडीएम दीपक सिंह चौहान, यातायात सूबेदार हेमंत पाटीदार, डीएटीसी सदस्य-मोहम्मद नौशाद, याकूब बोरिंगवाला, मुकेश दरबार, होशंग हवलदार सहित अन्य मौजूद थे।

**इन शायरों ने पेश किए कलाम-** मजाज आशना बुरहानपुर, ताहिर फराज रामपुर, शकील आजमी, राजेश रेड्डी मुंबई, फारूक जायसी कानपुर, नईम राशिद बुरहानपुर, जलील निजामी हैदराबाद, मोईन शादाब दिल्ली, डॉ. जलीलुर्हमान बुरहानपुर, डॉ. प्रज्ञा शर्मा मुंबई, अतुल अजनबी ग्वालियर, अल्लमश अब्बास रूड़की, चराग शर्मा चंदौसी, शउर आशना, कमरुद्दीन फलक बुरहानपुर ने अपने कलाम पेश किए।

# संत संध्या“ (सूफीनाम) कार्यक्रम का हुआ आयोजन

## कार्यक्रम में शायरों ने शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन-मोह लिया

बुरहानपुर

विश्व-विख्यात कवि संत रहीमदास जी के जन्म दिवस पर दिनांक 18 दिसम्बर, 2022 को शाम में इंदिरा कॉलोनी स्थित परमानंद गोविंदजी वाला ऑडिटोरियम में “संत संध्या” (सूफीनाम) कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, डीएटीसीसी बुरहानपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। उर्दू एकेडमी के निदेशक डॉ. नुसरत मेहंदी की उपस्थिति में देश के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे हुए महानुभवों ने अपनी-



अपनी शायरियों से समा को बांधे रखा तथा दर्शकों को आनंदित किया। अखिल भारतीय मुशायरा, “सूफीनाम” कार्यक्रम में श्री अतुल अजनबी ग्वालियर, श्री अल्लमश अब्बाश रूड़की, श्री चराग शर्मा चंदौसी, शरूर

आशना व श्री कमरुद्दीन फलक बुरहानपुर द्वारा शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित किया। वहीं श्री नईम राशिद बुरहानपुर, श्री ताहिर फराज रामपुर, श्री शकील आजमी मुम्बई, श्री राजेश रेड्डी मुम्बई, श्री

फारूक जायसी कानपुर, श्री जलील निजामी हैदराबाद, श्री मोईन शादाब दिल्ली, डॉ. जलीलुर्रहमान बुरहानपुर, डॉ. प्रज्ञा शर्मा मुम्बई एवं श्री मजाज आशना बुरहानपुर ने भी कार्यक्रम में अपनी-अपनी प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन-मोह लिया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक दुबे, अपर कलेक्टर श्री शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री दीपक चौहान, डीएटीसीसी के सदस्यगण एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकगणों ने कार्यक्रम का आनंद लिया।

# अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शायरों ने कलाम पेश कर दी काव्यांजलि

भोपाल 19 दिसम्बर (प्रेस नोट)। मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (DATCC) जिला बुरहानपुर के संयुक्त तत्वावधान में संत रहीम जयन्ती के अवसर पर सना संघा (साथ ए सुकियाबा) परम्परागत गोविंद जी वाला ऑडियोविडियो इतिहास कालोनी, बुरहानपुर में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में सभी शायरों एवं अधिपतियों का स्वागत DATCC, बुरहानपुर द्वारा शाल एवं व्यक्ति विन्द भेट कर किया गया। स्वागत पश्चात् DATCC महदम कमरुद्दीन फलक द्वारा संत रहीम के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर उद्घोषण प्रस्तुत किया गया जिसमें उन्होंने रहीम के बुरहानपुर से सम्बंध के बारे में जानकारी दी। साथ ही DATCC के सचिव सदस्य होशंग हवालदार द्वारा भी संत रहीम के जीवन एवं महान कार्यों पर प्रकाश डाला गया। इसके पश्चात् मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. मुमता मेहता ने आयोजन की ज़रूरतों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लखनऊ (सुकियाबा) से उर्दू साहित्य का गहरा संबंध है। इसलिए अकादमी द्वारा समय समय पर सुकियाबा कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। अपने व्यक्तित्व एवं कृतित्व के माध्यम से विश्वकल्याण का संदेश देने वाली रहीम सना भात के महत्वपूर्ण व्यक्तियों संतो में



से एक है। उनका सम्बंध बुरहानपुर से भी रहा है। वे लगभग 32 वर्षें यहाँ रहे। इस शहर को उनके ज्ञान, उनके काव्य संसार, विशेषकर दोहों से भी परिचय मिली। सास्तर रहीमी (फुलक) जहाँगीरी सयान और नहर गैर ए जारिया उनके समय की महत्वपूर्ण पादरी हैं। रहीम अरबी, उर्दू, फारसी, तुर्की और संस्कृत कई भाषाओं के पंडित थे तथा हिंदी काव्य के पर्यंत थे। रहीम साह्य, बुंगार साह्य, मदनमहक, रास पंचाव्यासी, रहीम खान्दारी तथा सरवे चाँपका-भेट अर्थात् रहीम की कबूतर रचनाएँ हैं। [उन्होंने खड़ीबोली के साथ-साथ फारसी में भी रचनाएँ की हैं। रहीम की रचनाओं

का संग्रह 'शरहोम - खान्दारी' के नाम से प्रकाशित हुआ है। ऐसे संत की भागी को जब जान सक पहुँचाने के उद्देश्य से इस्लामिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। मुताबिक में बिन शायरों ने कलाम पेश किया उनके नाम और अर्थभार इस प्रकार हैं:

मजान् आरान  
मिरी नज़र में सुलगते हुए वो मंज़ूर हैं  
झिझकते हैं मिरी आँखों में खूबान आते हुए  
शकील आज़मी  
किस्ती की डूब दुआ ने सारा शहर पाक कर दिया  
गुलाबगार लोग भी अजुब से फिकल गए  
फुलक जयसमी  
कल राब बिराले पार की घेरार मुझको हो गई  
वो सामने पीठे रहे करता रहा दोपार मैं  
जलील निजामी  
भाते नौ देखने तुम छल पे न जाना हरगिज़  
शहर में ईद की तारीख बदल जाएगी  
ख़िदर फ़रान्ज़  
वो लड़की नाम है जिसका मोहब्बत

की अब दुनिया से परदा कर रही है  
राजेश देहू  
मैं तो नूँ भी उदास रहता हूँ  
क्या ज़ुब्रत थी पाद आने की  
मोईन शादाब  
ये शहर रहा होगा शाहदाब निवालों का  
इस शहर के मानबे से गुलदाब निकलती हैं  
सईम रशीद  
ये इबादत पे वैकिर्वा हैं फ़ज्रिल  
लेरा लुकुटा अगर हासल नहीं  
अजुल अजवनी  
उसकी हरकिर्वा की कलानी में मैं भी हूँ  
अब देखना है ये कि मुलात कहीं से है  
डॉ. जालीसुह्रमान  
अपने अपने तीर पर दोहों को खीना आ गया  
तुझको अर्ध और मुझको ज़ुहर पीना आ गया  
प्रज्ञा शर्मा  
बना का इसी ज़ुदा समूत क्या देती

में राख हो तो गई उसकी मिगरेटों को तरह  
शकर आशा  
साम ए फ़ुरकत का फुसफुसा खेद हूँ मैं अगर  
उसने अलिफ़ लैला मुखबसर हो जाएगी  
कमरुद्दीन फलक  
मिरा दिल दिन में कैसे जल रहा है  
जहाँ तुम हो वहाँ अब साथ है क्या  
आलमशा अब्बास  
जुम्हीं को तह में उतारने के बाद खुलते हैं  
बहुत से लोग तो मारने के बाद खुलते हैं  
'फारुग शर्मा'  
अबके मिली शिकस्त मेरी और से मुझे  
झिझक दिया गया किसी कमज़ोर से मुझे  
मुताबिक का सफल संचालन मोईन शादाब के द्वारा किया  
गया। कार्यक्रम के अंत में अजर कलेक्टर शैलेन्द्र मिश्र सोलंकी  
ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उनके साथ  
पंचायत से ई.ओ. अधिपति दुबे, एसटीएम टीपक खीशन एवं  
टैपकि इम्पेक्टर हेमंत पाटीदार भी उपस्थित रहे।





# संत संध्या कार्यक्रम का आयोजन शायरों ने शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया

बुरहानपुर। विश्व-विख्यात कवि संत रहीमदास जी के जन्म दिवस पर दिनांक 18 दिसम्बर, 2022 को शाम में इंदिरा कॉलोनी स्थित परमानंद गोविंदजी वाला ऑडिटोरियम में ह्यह्यसंत संध्याह्यह्य (सूफीनाम) कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, डीएटीसीसी बुरहानपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। उर्दू एकेडमी के निदेशक डॉ. नुसरत मेहंदी की उपस्थिति में देश के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे हुए महानुभवों ने अपनी-अपनी शायरियों से समा को बांधे रखा तथा दर्शकों को आनंदित किया।



अखिल भारतीय मुशायरा, ह्यह्यसूफीनामह्यह्य कार्यक्रम में श्री अतुल अजनबी ग्वालियर, श्री अलतमश अब्बाश रूड़की, श्री चराग शर्मा चंदौसी, शरूर आशना व श्री कमरुद्दीन फलक बुरहानपुर द्वारा शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित किया। वहीं श्री नईम राशिद बुरहानपुर, श्री ताहिर फराज रामपुर, श्री शकील

आजमी मुम्बई, श्री राजेश रेड्डी मुम्बई, श्री फारूक जायसी कानपुर, श्री जलील निजामी हैदराबाद, श्री मोईन शादाब दिल्ली, डॉ. जलीलुर्रहमान बुरहानपुर, डॉ. प्रज्ञा शर्मा मुम्बई एवं श्री मजाज आशना बुरहानपुर ने भी कार्यक्रम में अपनी-अपनी प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन-मोह लिया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक दुबे, अपर कलेक्टर श्री शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री दीपक चैहान, डीएटीसीसी के सदस्यगण एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकगणों ने कार्यक्रम का आनंद लिया।

## संत रहीमदास के जन्म दिवस पर कवियों ने बांधा समा

बुरहानपुर। विश्व विख्यात कवि संत रहीमदास के जन्म दिवस पर संत संध्या सूफीनाम कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में उर्दू एकेडमी के निदेशक डॉ. नुसरत मेहंदी की



उपस्थिति में देश के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे हुए अतिथियों ने अपनी-अपनी शायरियों से समा को बांधे रखा तथा दर्शकों को आनंदित किया। अखिल भारतीय मुशायरा, सूफीनाम कार्यक्रम में अतुल अजनबी ग्वालियर, अल्तमश अब्बाश रुफकी, चराग शर्मा चंदौसी, शरूर आशाना व कमरुद्दीन फलक बुरहानपुर द्वारा शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित किया। इस दौरान नईम राशिद, ताहिर फराज रामपुर, शकील आजमी मुम्बई, राजेश रेड्डी मुम्बई, फारुक जायसी कानपुर, जलील निजामी हैदराबाद, मोईन शादाब दिल्ली, डॉ. जलीलुर्रहमान बुरहानपुर, डॉ. प्रज्ञा शर्मा मुम्बई एवं मजाज आशाना ने भी कार्यक्रम में अपनी-अपनी प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन-भोह लिया। कार्यक्रम में जिना गंजाया जी के भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में सोलंकी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व दीपक चौहान, डीएटीसीसी के सदस्यगण

## कवि संत रहीम के जन्म दिवस पर संत संध्या सूफीनामा हुआ

बुरहानपुर | कवि संत रहीम के जन्म दिवस रविवार शाम इंदिरा कॉलोनी के परमानंद गोविंदजीवाला ऑडिटोरियम संत संध्या सूफीनामा का आयोजन हुआ। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, डीएटीसीसी द्वारा आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत उर्दू एकेडमी के निदेशक डॉ. नुसरत मेहंदी ने की। कार्यक्रम में अतुल अजनबी ग्वालियर, अल्तमश अब्बाश रूड़की, चराग शर्मा चंदौसी, शरूर आशाना व कमरुद्दीन फलक ने अपनी प्रस्तुति दी।

# ”مدھیہ پردیش اردو کا دی محکمہ ثقافت کے زیر اہتمام ضلع آثار قدیمہ و سیاحت اور سنسکرتی پریشد

## (DATCC) ضلع برہانپور کے باہمی اشتراک سے صوفی رحیم کے یوم ولادت کے موقع پر کل ہند مشاعرہ منعقد

### ”بین الاقوامی شہرت یافتہ شعراء نے اپنے کلام کے ذریعے پیش کیا خراج تحسین“

انتش عباس  
شام فرقت کا فسانہ چھیڑ دوں گا میں اگر  
داستان الف لیلی مختصر ہو جائے گی  
شعور آشنا  
اب کے ملی نکلت میری اور سے مجھے  
جتوا دیا گیا کسی کمزور سے مجھے  
چراغ شرما  
مشاعرہ کی نظامت کے فرائض معین  
شاداب نے بحسن خوبی انجام دیے۔  
پروگرام کے آخر میں برہانپور کے اے ڈی  
ایم شیلندر سنگھ سونگی نے سبھی کا شکریہ ادا کیا۔  
اس موقع پر ان کے ساتھ پنجابیت سی ای او  
ابھیٹیک دو، ایس ڈی ایم ویک  
چوہان اور رینیک اسپیکر بہتست پالیدار راج  
پر موجود رہے۔



بھوپال ۱۹ دسمبر: مدھیہ پردیش  
اردو کا دی محکمہ ثقافت کے زیر اہتمام ضلع  
آثار قدیمہ و سیاحت اور سنسکرتی پریشد  
(DATCC) ضلع برہانپور کے باہمی  
اشتراک سے صوفی رحیم کے یوم ولادت  
کے موقع پر ”شام صوفیانہ: کل ہند  
مشاعرہ ۲۰۲۲ کو شام ۶:۳۰ بجے  
برہانپور کے جی والا آڈیٹوریم، اندرا  
کالونی، برہانپور میں منعقد کیا گیا۔ پروگرام  
دو اجلاس پر مشتمل تھا۔ پہلے اجلاس میں  
DATCC کے ذریعے تمام مہمانان کا  
استقبال کیا گیا۔ استقبال کے بعد  
DATCC کے رکن قمر الدین فلک نے  
صوفی رحیم کے فن اور شخصیت کے حوالے  
سے سیر حاصل گفتگو کی اور رحیم کے برہانپور  
سے تعلق کی وضاحت کی۔ ساتھ ہی  
DATCC کے سینئر ممبر ہوشنگ حویدار  
نے بھی رحیم کی عظمت کو بیان کرتے  
ہوئے رحیم کی شخصیت پر روشنی  
ڈالی۔ دوسرے اجلاس کی شروعات میں  
مدھیہ پردیش اردو کا دی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر  
نصرت مہدی نے پروگرام کے بارے میں  
بتاتے ہوئے کہا کہ تصوف اور اردو زبان و  
ادب کے درمیان گہرا رشتہ ہے، اس لیے  
اردو اکادمی کے ذریعے وقت وقت پر  
صوفیانہ پروگرام منعقد کیے جاتے ہیں۔  
اپنی شخصیت اور فن کے ذریعے دنیا دنیا کی  
بھلائی اور اچھائی کا پیغام دینے والے  
صوفی رحیم ہندوستان کے اہم صوفیوں میں  
سے ایک ہیں۔ ان کا برہانپور سے بھی گہرا  
تعلق رہا۔ وہ تقریباً 30 سال تک یہاں  
رہے۔ اس شہر کو ان کے علم، ان کے شعری  
اثاثے خصوصاً وہ ہوں سے بھی پہچان لی۔

وزیر اعلیٰ نے آنجہانی مسٹر بھوپندر  
سنگھ رگھووشی کی یاد میں شجر کاری کی  
بھوپال ۱۹ دسمبر: وزیر اعلیٰ مسٹر شیب  
راج سنگھ چوہان نے گنا ضلع کے سینئر سماجی  
خدمت کار آنجہانی مسٹر بھوپندر سنگھ رگھووشی  
کی یاد میں اسمارٹ سٹی پارک میں پودا لگایا۔  
وزیر اعلیٰ مسٹر چوہان نے آنجہانی مسٹر  
بھوپندر سنگھ اسمرتی منج گنا کے نمائندوں  
کے ساتھ ان کی بری پر کلمہ، بابا دام اور  
ساریکا انڈیا کے پودے لگائے۔ شجر کاری  
میں مسٹر آنند بھوپندر سنگھ، مسٹر رگھووشی او  
مسٹر پریش بھوپندر سنگھ رگھووشی شامل  
ہوئے۔ مسٹر برج، مسٹر سمت، مسٹر پنو، مسٹر  
دیویشو، مسٹر کانہا رگھووشی، مسٹر اپیندر مینا  
اور مسٹر مانویندر بنڈیا نے بھی پودے  
لگائے۔

طاہر فراز  
ماہ نو دیکھتے تم چھپت پہ نہ جانا ہرگز  
شہر میں عید کی تاریخ بدل جائے گی  
جلیل نظامی  
یہ عبادت یہ نیکیاں بیو فضول  
تیرا لقمہ اگر حلال نہیں  
نعم راشد  
یہ شہر رہا ہوگا شائستہ مزاجوں کا  
اس شہر کے طے سے گلدان نکلتے ہیں  
معین شاداب  
اپنے اپنے طور پر دونوں کو جینا آگیا  
تجھ کو آسو اور مجھ کو زہر چینا آگیا

کلام پیش کیا ان کے اسمائے گرامی اور  
اشعار درج ذیل ہیں۔  
مری نظر میں سکتے ہوئے وہ منظر ہیں  
جھپکتے ہیں مری آنکھوں میں خواب آتے ہوئے  
مجاز آشنا  
کسی کی اک دعائے سارا شہر پاک کر دیا  
گنا بگار لوگ بھی عذاب سے نکل آئے  
کلیل اعظمی  
میں تو یوں بھی اداس رہتا ہوں  
کیا ضرورت تھی یاد آنے کی  
راجیش ریڈی  
کل شب وصال یار کی محراب مجھ کو ہوگی  
وہ سامنے بیٹھے رہے کرتا رہا دیدار میں  
فاروق جاسکی  
وہ لڑکی نام ہے جس کا صحبت  
وہ اب دنیا سے پردہ کر رہی ہے

مدھیہ پردیش سے چھپاوا کر ۱۱۹-انارہاؤس، رائسین روڈ، بھوپال-۲۳۰۲۲۳، مدھیہ پردیش سے شائع کیا۔ ایڈیٹر: الطاف خان، بھی منسلک کا حل بھوپال پبھری میں ہوگا۔ فون نمبر 2711603

स्वामी मटक प्रकाशक आरिफ रवान द्वारा ज्येयन आफसेट वर्क्स 119 इनदारा हाकरस रायसेन रोड भोपाल-462023 मघ से मचित

# بین الاقوامی شہرت یافتہ شعراء نے اپنے کلام کے ذریعے پیش کیا خراج تحسین

مدیر پبلسٹیٹی ڈیپارٹمنٹ کے زیر اہتمام شائع ہونے والے شمارے (DATCC) شاعرانہ اور ادبی شعرا کے ہاں اشتراک سے صوفی رحیم کے ہمدردی کے موقع پر گل بزم شاعرانہ منعقد



برہنہ اور مدعیہ پر ایشیاء اور اکاڈمی محمد ثناء کے زیر اہتمام شائع آثار قدیمہ، سیاست اور شکرانی پر شاہ (DATCC) شائع ہر باہر کے باہمی اشتراک سے صوفی رحیم کے ہمدردی کے موقع پر شام صوفیانہ گل بزم شاعرانہ 18 دسمبر 2022 کو شام 306 بجے سے برہنہ گوئی، جلال آباد، اندرا کالونی، برہنہ میں منعقد کیا گیا پروگرام دو اجلاس پر مشتمل تھا پہلے اجلاس میں DATCC کے ایسے تمام ممبرانہ کا استقبال کیا گیا استقبال کے بعد DATCC کے رکن قمر العین جگت سے صوفی رحیم کے فن اور شخصیت کے بارے سے سیر حاصل گفتگو کی اور رحیم کے برہنہ سے تعلق کی وضاحت کی ساتھ ہی DATCC کے سینئر ممبر ہونے کے علاوہ انہیں بھی رحیم کی عظمت کو جان کرتے ہوئے رحیم کی شخصیت پر روشنی ڈالی دوسرے اجلاس کی شروعات میں مدعیہ پر ایشیاء اور اکاڈمی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت صدیقی نے پروگرام کے بارے میں بتاتے ہوئے کہا کہ صوفی اردو اکاڈمی اور ادب کے درمیان گہرا رشتہ ہے، اس لیے اردو اکاڈمی کے ذریعے وقت وقت پر صوفیانہ پروگرام منعقد کیے جاتے ہیں اپنی شخصیت اور فن کے بارے میں دنیا دنیا کی بھلائی اور ایمانی کا پیغام دینے والے صوفی رحیم ہندوستان کے اہم صوفیوں میں سے ایک ہیں، ان کا برہنہ سے بھی گہرا تعلق رہا 100 تقریباً 30 سال تک یہاں رہے، ان شہر کو ان کے ہم، ان کے شعری ہائے مسودہ 1000 سے بھی بڑھانے لے، ماسٹر ٹیچر، جہاں گھر برائے اور لہر خیر جا رہے ان کے وقت کی یادگاریں ہیں، رحیم اردو، عربی، فارسی، ترکی، پنجابی اور شکرانی زبانوں کے بیانات تھے اور ہندی شاعری کے ماہر تھے، رحیم ستی، شکرانی، ستی، مدہنک، ران، پانچا صدیقی، رحیم رتاولی، وغیرہ رحیم کی بہترین تخلیقات تھیں، انھوں نے کھڑی بولی کے ساتھ ساتھ فارسی میں بھی تخلیقات کی ہیں، رحیم کی تخلیقات کا مجموعہ رحیم رتاولی کے ہم سے شائع ہوا ہے، ایسے عقیم صوفی کے پیغام کو عام تک پہنچانے کے مقصد سے مدعیہ پر ایشیاء اور اکاڈمی کے ذریعے منعقد کردہ پروگرام کا انعقاد کیا جا رہا ہے جس میں ہندوستان کے بین الاقوامی شہرت یافتہ شعرا کا شرکتی کر رہے ہیں، مشاعرے میں جن شعراء نے اپنا کلام پیش کیا ان کے اسمائے گرامی اور اشعار رونق فرمائیں۔

مری نگر میں سکتے ہوئے وہ منظر ہیں  
 جھپکتے ہیں مری آنکھوں میں خواب آتے ہوئے  
 مہار آٹھا  
 کسی کی اک دماغے مارا شہر پاک کر دیا  
 گنہگار لوگ بھی عذاب سے گل آتے  
 تھکیل اٹھی  
 میں تو یوں بھی ہوں، بتا ہوں  
 کیا ضرورت تھی یاد آنے کی  
 راجش راجی  
 کل شب وصال باری معراج ٹھہر گئی  
 دو سامنے بیٹھے رہے کرنا رہا یہ ار میں  
 فاروقی چائسی  
 دوڑ کی نام ہے جس کا صحت  
 اب دنیا سے پردہ و گری ہے  
 طاہر فراز  
 ماہود کھینچنے تم صحت پتہ جان بزرگ  
 شہر میں صحت کی تاریخ بول جانے کی  
 علیل بھائی  
 پہ عبادت پہ تکیاں یہ افضل  
 حیرت آکر مگر ملام نہیں  
 نعیم راشد  
 یہ شہر باہر کا شکرستہ مزا جوں کا  
 اس شہر کے بلے سے گھٹان لگتے ہیں  
 معین شاہ اب  
 اپنے اپنے طور پر دونوں کو جینا آ گیا

گھم کو آندوار گھم کو زہر پینا آ گیا  
 ڈاکٹر مجلیں الرحمن  
 اس کی ترنوں کی کہنی میں میں بھی ہوں  
 اب دیکھنا یہ ہے کہ ستا کہاں سے  
 آہل انجلی  
 وہاں اس سے ترہا و شہوت کہ وہی  
 میں راکھ ہو تو گئی اس کی گھریوں کی طرح  
 ڈاکٹر پر گیا شرمنا  
 مراد دل دن میں کیسے میں رہا ہے  
 جہاں تم ہو وہی اب شام ہے کیا  
 قمر العین جگت  
 زمین کی تہ میں آنے کے بعد کھٹتے ہیں  
 بہت سے لوگ تو مرنے کے بعد کھٹتے ہیں  
 اجمل عباس  
 شام فرقت کا فسانہ پھیرا وہں گا میں اگر  
 داستان الف لیلی مختصر ہو جائے گی  
 شہر آٹھا  
 اب کے ملی شکرستہ جہری اور سے مجھے  
 ختم ہوا یا گیا کسی کمزور سے مجھے  
 چراغ شرمنا  
 مٹا عرو کی بھست کے فرائض میں شاداب نے محسن  
 لونی انجم دے رہے پروگرام کے آخر میں برہنہ کے ڈاکٹر  
 ایم شہنشاہ شکرانی نے بھی کو شکر یہ ہوا انہی اس موقع پر ان کے  
 ساتھ وہاں سے ہی انی اور ایشیاء 100 سے، انہی ڈاکٹر ایم دیکھ  
 چرچان اور ریکارڈ انٹرنیشنل سے چھ ماہ پہلے پر موجود ہے۔

# ایم پی اردو اکیڈمی: برہانپور میں صوفی رحیم کے یوم ولادت کے موقع پر کل ہند مشاعرہ منعقد

بین الاقوامی شہرت یافتہ شعراء نے اپنے کلام کے ذریعے پیش کیا خراج تحسین



برہانپور، ۱۹ دسمبر (اے پی پی)۔ برہانپور میں کل ہند مشاعرہ منعقد کیا گیا جس میں ایم پی اردو اکیڈمی کے زیر اہتمام ڈی ایچ ڈی ڈی اے کے زیر اہتمام منعقد کیا گیا۔ اس موقع پر ڈی ایچ ڈی ڈی اے کے زیر اہتمام منعقد کیا گیا۔ اس موقع پر ڈی ایچ ڈی ڈی اے کے زیر اہتمام منعقد کیا گیا۔

کل ہند مشاعرہ منعقد کیا گیا جس میں ایم پی اردو اکیڈمی کے زیر اہتمام ڈی ایچ ڈی ڈی اے کے زیر اہتمام منعقد کیا گیا۔ اس موقع پر ڈی ایچ ڈی ڈی اے کے زیر اہتمام منعقد کیا گیا۔

کل شب وصال پار کی سمرات لکھ کر ہوگی وہ ساتنے بیٹھے وہ کہتا ہوا دہرا میں فاروقی ہائسی

وہ لڑکی نام ہے جس کا بہت وہ اپ دیا سے پھلا کر ہی ہے ظاہر فرما  
 ہاں تو دیکھتے تم بہت چاہا ہرگز شہر میں عہد کی تیرے دل ہائے کی جلیل گلابی  
 یہ عبادت ہے نیکیاں یہ فضول تیرا لہر اگر طاق نہیں  
 یہم راشد  
 یہ شہر رہا ہوگا شاندار حراہوں کا اس شہر کے لیے سے گدانا لگتے ہیں  
 سمیں شاداب  
 اپنے اپنے طور پر دونوں کو جیتا آگیا

برہانپور کے ایم سولوں میں سے ایک ہیں۔ ان کا رہنا ہے برہانپور۔ وہ تقریباً 30 سال تک یہاں رہے۔ اس شہر کو ان کے علم میں کے شعری اہلی نے خصوصاً وہاں سے بھی جگہ ملی۔ ماسٹر رہی، جہاں گہرا ہے اور نثر ہے جہاں ان کے وقت کی ڈنگا رہی ہیں۔ رحیم احمد، عربی، فارسی، ترکی، چٹائی اور سحرگت زبانوں کے چہرے تھے اور وہی شاعری کے ماہر تھے۔ رحیم حسینی، شہزاد حسینی، مدحک، ماس پنڈھسپائی، رحیم رتولی، رفیع رحیم کی بہترین گیتات ہیں۔ انھوں نے کڑی بولی کے ساتھ ساتھ فارسی میں بھی گیتات کی ہیں۔ رحیم کی گیتات کا مجموعہ رحیم رتولی کے نام سے شائع ہوا ہے۔ ایسے علم سونے کے پیغام کو ہم تک پہنچانے کے مقصد سے مدح

ڈی ایچ ڈی ڈی اے کے زیر اہتمام منعقد کیا گیا۔ اس موقع پر ڈی ایچ ڈی ڈی اے کے زیر اہتمام منعقد کیا گیا۔ اس موقع پر ڈی ایچ ڈی ڈی اے کے زیر اہتمام منعقد کیا گیا۔ اس موقع پر ڈی ایچ ڈی ڈی اے کے زیر اہتمام منعقد کیا گیا۔

انک پور و پبلشر سید نور الحسن پوری نے رشاکوچ پبلیکیشن، 26-بی پریس کالمکس ایم پی گر ہوپال سے چھپا کر دفتر روزنامہ "تعمیر ہاس" پر



# पत्रिका



Share

A+

font-inc



Image View



Text

आज हेरिटेज वॉक

लालबाग से कुंडी भंडारा तक जाएगी यात्रा

## हमारी विरासत और संस्कृति जानने का मिलेगा मौका



पत्रिका  
हमारी  
विरासत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क  
patrika.com

बुरहानपुर शहर की समृद्ध विरासत और संस्कृति का पता लगाने का अवसर मिलेगा। यह अवसर हेरिटेज वॉक में होगा। 17 दिसंबर को सुबह 11 बजे राम मंदिर लालबाग से इसका शुभारंभ होकर विश्व प्रसिद्ध कुंडी भंडारे तक यह यात्रा जाएगी।

तीन साल बाद यह अवसर आ रहा है। कोविड के चलते हेरिटेज



कुंडी भंडारा।

पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद द्वारा यह आयोजन हो रहा है। जिसमें जिले के सभी हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्र-छात्राएं हिस्सा लेंगे। हेरिटेज वॉक में शासकीय अधिकारी,

भी सहभागिता करेंगे।

**शाम को संत संध्या :** विश्व प्रसिद्ध रहे कवि संत रहीमदास के जन्म दिवस पर शाम 6.30 बजे इंदिरा कॉलोनी स्थित परमानंद गोविंदजी

### यह है हेरिटेज वॉक का उद्देश्य

हेरिटेज वॉक में भारत की विरासत और संस्कृति को देखने का अवसर मिलता है। वर्तमान पीढ़ियों को ऐतिहासिक स्थलों और भारत की सांस्कृतिक विरासत के सौंदर्य अनुभवों को फिर से एक साथ जोड़ने का है। विरासत पर्यटन की यह पहल विषय-वस्तु पर आधारित है। यह दिल्ली भागीदारी एवं स्थानीय

समुदायों और नागरिकों की भागीदारी प्राप्त करने के लिए आयोजित किया जाता है जो कि विकास के एजेंडे को संरक्षण और बढ़ावा दे सके। इस तरह के छोटे-छोटे अवसर हमें यह एहसास कराते हैं कि हमारे पास एक बड़ी सांस्कृतिक विविधता और विरासत है और हमें इसे सुरक्षित रखने की आवश्यकता है।

सूफी नाम कार्यक्रम रहेगा। मग्न उर्दू अकादमिक डीप्टीसीसी के संयुक्त तत्वावधान में होगा। यहां कवि संत रहीमदास के जीवन के बारे में बताया जाएगा।

हेरिटेज वॉक का आयोजन मुख्य तौर पर वीक एंड यानी रविवार और रविवार को होता है। अक्सर इस तरह की वॉक सुबह-सुबह होती हैं, लेकिन लोगों की सहूलियत के हिसाब से कई

## मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा संत रहीम जयंती के अवसर पर बुरहानपुर में अखिल भारतीय मुशायरा आज

भोपाल 17 दिसम्बर (प्रेस नोट)। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (DATCC) जिला

बुरहानपुर के संयुक्त तत्वावधान में संत रहीम जयन्ती के अवसर पर संत संध्या अखिल भारतीय मुशायरा 18 दिसम्बर, 2022 को शाम 6:30 बजे परमानंद गोविंद जी वाला ऑडिटोरियम इंदिरा कालोनी, बुरहानपुर में आयोजित किया जाएगा। मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत



मेहदी ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि तसव्वुर (सूफीवाद) से उर्दू जुबान ओ अदब का गहरा संबंध है। इसलिए अकादमी द्वारा समय समय पर सूफियाना कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। अपने व्यक्तित्व एवं कृतित्व के माध्यम से विश्वकल्याण का संदेश देने वाले रहीम दास भारत के महत्त्वपूर्ण सूफी संतो में से एक है। उनका सम्बंध बुरहानपुर से भी रहा है अतः मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा उनकी जयंती के अवसर उन्हें याद करके, उनके पैग़ाम को आम करने के उद्देश्य से शाम ए सूफियाना (संत संध्या) आयोजित की जा रही है। मुशायरे में शामिल होने वाले शायरों में मजाज़ आशना (बुरहानपुर), ताहिर फराज़ (रामपुर), शकील आजमी, राजेश रेड्डी (मुम्बई), फारूक जायसी (कानपुर), नईम राशिद (बुरहानपुर) जलील निज़ामी (हैदराबाद), मोईन शादाब (दिल्ली), डॉ. जलीलुर्रहमान (बुरहानपुर), डॉ. प्रज्ञा शर्मा (मुम्बई), अतुल अजनबी (ग्वालियर), अल्लमश अब्बास (रुड़की), चराड़ शर्मा (चंदौसी), शऊर आशना एवं कमरुद्दीन फ़लक (बुरहानपुर) आदि के नाम शामिल हैं। कार्यक्रम का संचालन मोईन शादाब द्वारा किया जाएगा। डॉ. नुसरत मेहदी ने बुरहानपुर के कला एवं साहित्य प्रेमियों से कार्यक्रम में उपस्थित होने का आग्रह किया है।



# ایم پی اردو اکادمی کے ذریعہ ہتمام صوفی رحیم کے یوم ولادت کے موقع پر برہانپور میں کل ہند مشاعرہ آج

## بین الاقوامی شہرت یافتہ شاعر اپنے کلام کے ذریعے پیش کریں گے خراج تحسین

صوفیان کا اعتقاد کیا جا رہا ہے جس میں ہندوستان کے بین الاقوامی شہرت یافتہ شاعر اکادمی پیش کریں گے۔  
 مشاعرے میں مدعو شعراء میں مجاز آشا (برہانپور)، طاہر فراز (رام پور)، گلپیل اعظمی، رامیش ریڈی (ممبئی)، عارفی جاسی (کاپور)، نسیم راشد (برہانپور)، عتیق اللہی (میدراپور)، مسکن شاہاب (دہلی)، ڈاکٹر عتیق الرحمن (برہانپور)، ڈاکٹر یگیا شرما (ممبئی)، آس ہنسی (گوالیار)، اجس عباس (روڈ کی)، چراغ شرما (چندوی)، شعور آشا اور قمر الدین قلب (برہانپور) کے نام شامل ہیں۔ ڈاکٹر نصرت مہدی نے برہانپور کے تمام میان ادب سے پروگرام میں شرکت کی درخواست کی ہے۔



کے اہم صوفیوں میں سے ایک ہیں۔ ان کا برہانپور سے بھی گہرا تعلق رہا ہے اس لیے مدھیہ پردیشی اردو اکادمی کے ذریعہ ہتمام ان کے یوم ولادت کے موقع پر انہیں یاد کر کے ان کے عظیم کو عام کرنے کے مقصد سے شام

برہانپور مدھیہ پردیش اردو اکادمی منگھٹا کے زیر اہتمام ضلع آجر شہر، سیاحت اور مسکرتی پریشد (DATCC) ضلع برہانپور کے پانچویں اشراک سے صوفی رحیم کے یوم ولادت کے موقع پر ۱۳ شام صوفیان: کل ہند مشاعرہ ۱۳ دسمبر ۲۰۲۳ کو شام ۰۳:۶۰ بجے سے پرماتنگھتی والا ڈاکٹر محمد احمد راکونٹی، برہانپور میں منعقد کیا جائے گا۔ مدھیہ پردیش اردو اکادمی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت مہدی نے پروگرام کے بارے میں بتاتے ہوئے کہا کہ تصوف اور اردو زبان و ادب کے درمیان گہرا رشتہ ہے، اس لیے اردو اکادمی کے ذریعے دولت وقت پر صوفیان پر پروگرام منعقد کیے جاتے ہیں۔ اپنی شخصیت اور ان کے ذریعے دنیا دنیا کی ہملائی اور اچھائی کا پیغام دینے والے صوفی رحیم ہندوستان

# संत संध्या सूफीनाम का आयोजन: देशभर के शायरों ने पेश किए अपने कलाम, कवि संत रहीमदास के जीवन साहित्य को लेकर हुआ कार्यक्रम

बुरहानपुर (म.प्र.) 20 घंटे पहले

**Apollo Sage HOSPITALS**

350 बेड का  
मल्टी स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल

एशिया का सबसे विश्वसनीय  
हेल्थ केयर ब्रांड  
**अब भोपाल में**  
लोकार्पण 4 जनवरी को



→ Home → قومی خبریں → مدھیہ پردیش اردو کادمی کے زیر اہتمام صوفی رحیم کے یوم ولادت کے موقع پر کل ہند مشاعرہ



328 ۷ قذیل ۷

20 دسمبر، 2022 قومی خبریں ۷

مدھیہ پردیش اردو کادمی کے زیر اہتمام صوفی رحیم کے یوم ولادت کے موقع پر کل ہند مشاعرہ

مدھیہ پردیش اردو کادمی محکمہ ثقافت کے زیر اہتمام ضلع آثار قدیمہ و سیاحت اور سنسکرتی پریشد (DATCC) ضلع برہانپور کے باہمی اشتراک میں صوفی رحیم کے یوم ولادت کے موقع پر کل ہند مشاعرہ



# مدھیہ پردیش اردو کادمی کے زیر اہتمام صوفی رحیم کے یوم ولادت پر کل ہند مشاعرہ منعقد



مدھیہ پردیش اردو کادمی کے زیر اہتمام صوفی رحیم کے یوم ولادت پر کل ہند مشاعرہ

Mahwash Noor

Published: December 20, 2022 9:30 am

3 min read

مدھیہ پردیش اردو کادمی محکمہ ثقافت کے زیر اہتمام ضلع آنتار قدیمہ و سیاحت اور سنسکرتی پریشد ضلع بر  
اندر کے اہم اہلکار کے ساتھ ساتھ صوفی رحیم کے یوم ولادت پر کل ہند مشاعرہ منعقد



मध्यप्रदेश जर्नल अकादमी, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा  
 जिला पुस्तक पठन एवं संस्कृति परिषद (JATCC) जिला बुरहानपुर के संस्कृत तत्वावधान में  
 संत राधेम जवली के अवसर पर





**संत संध्या**  
 अखिल भारतीय मुशायरा

18 दिसम्बर, 2022, शाम 6:30 बजे  
 बुरहानपुर




  
 A. K. Sharma


  
 Dr. S. K. Singh



















































मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा  
ज़िला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (DATCC) ज़िला बुरहानपुर के संयुक्त त  
संत रहीम जयन्ती के अवसर पर

# संत संध्या

अखिल भारतीय मुशायरा

صوفیانہ

ہند مشاعرہ

18 february, 2022, शाम 6:30 बजे  
बुरहानपुर





मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा  
जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (DATCC) जिला बुरहानपुर के संयुक्त तत्वाधान में  
संत रहीम जयन्ती के अवसर पर

# संत संध्या

अखिल भारतीय मुशायरा

مشاعر صوفیانه  
کل ہند مشاعرہ

18 दिसम्बर, 2022, शाम 6:30 बजे  
बुरहानपुर









मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा  
ज़िला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (DATCC) जिला बुरहानपुर के संयुक्त तत्वावधान में  
संत रसिम जयन्ती के अवसर पर

# संत संध्या

अखिल भारतीय मुशायरा

شاه صوفیانہ  
کل ہند مشاعرہ

18 دिसम्बर 2022 | 6:30 बजे



मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृत परिषद, संस्कृत विभाग द्वारा  
ज़िला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (DATCC) ज़िला बुरहानपुर के संयुक्त तत्वावधान में  
संत रहीम जयन्ती के अवसर पर



श्री विजयराज सिंह चौहान  
भा. प्रशासक, बुरहानपुर

सुनील प्रसाद शर्मा  
भा. प्रशासक, बुरहानपुर

# संत संध्या

अखिल भारतीय मुशायरा

شام صوفیانہ  
کل ہند مشاعرہ

18 دिसम्बर, 2022, शाम 6:30  
बुरहानपुर





मध्य प्रदेश उद् अकादमी, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा  
ज़िला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (DATCC) ज़िला बुरहानपुर के संयुक्त तत्वावधान में  
संत रहीम जयन्ती के अवसर पर



श्री शिवराज सिंह चौहान  
मन्त्र, मध्य प्रदेश, भारत सरकार

# संत संध्या

अखिल भारतीय मुशायरा

سنتا صوفیانا  
کل ہند مشاعرہ

18 دिसम्बर, 2022, शाम 7 बजे  
बुरहानपुर







मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद, संस्कृति वि  
जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (DATCC) जिला बुरहानपुर  
संत रक्षिम जयन्ती के अवसर पर

# संत संध्या

अखिल भारतीय मुशायरा

مخيانہ  
شاعرہ

1 नवंबर, 2022, शाम 6:30 बजे  
बुरहानपुर







मध्य प्रदेश राज्य  
जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (DATCC) द्वारा  
संत रहीम जयन्ती के अवसर पर



# संत संध्या

अखिल भारतीय मुशायरा

صوفیانہ  
مل ہند مشاعرہ

18 دिसम्बर, 2022, शाम 6:30 बजे  
बुरहानपुर





संस्कृत संस्थान, संस्कृत विश्वविद्यालय, संस्कृत विभाग द्वारा  
दिल्ली मुद्रापत्र परियोजना एवं संस्कृत परियोजना (SARCO) द्वारा बुरहानपुर के संस्कृत तत्वावधान में  
संत संध्या कार्यक्रम का आयोजन

# संत संध्या

अखिल भारतीय मुशावरा

مشاعر و فیاض  
کل ہند مشاعرہ

18 دिसम्बर, 2022, शाम 6:30 बजे  
बुरहानपुर













मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति  
जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (DATC)  
संत रहीम जयन्ती

# संत संध्या

अखिल भारतीय मुशायरा

18 दिसम्बर, 2022, शाम

बुरहानपुर



मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा  
ज़िला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (DATCC) जिला बुरहानपुर के संयुक्त तत्वावधान में  
संत रहीम जयन्ती के अवसर पर



# संत संध्या

अखिल भारतीय मुशायरा

شام صوفیانہ  
کل ہند مشاعرہ

18 دिसम्बर, 2022, शाम 7:00 बजे  
बुरहान





मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा  
शिला पुण्यत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (DAICC) जिला बुरहानपुर के संयुक्त तत्वावधान में  
संत रसिम जलन्ती के अवसर पर

# संत संध्या

ब्रह्म भारतीय मुशावरा

مشاعرِ صوفیانہ  
کل ہند مشاعرہ

दिसम्बर, 2022, शाम 6:30 बजे  
बुरहानपुर















































